Dr.Sunita Kumari, Guest Asst Prof,
Dept of H.Sc
SNSRKS College,
Saharsa

प्रबन्ध प्रक्रिया के चरण / [illegible]
(Steps of Management Process)

[illegible]

किसी भी प्रबन्ध को [illegible] विभिन्न [illegible] भागों में [illegible] है [illegible] भागों को [illegible] है कि कोई [illegible] विशेष [illegible] है।

विभिन्न विद्वानों ने प्रबन्ध प्रक्रिया के विभिन्न चरण बताये हैं :—

लिचफील्ड (Litchfield) ने इसे "क्रियाओं का चक्र" (cycle of action) कहा है और इसके पाँच चरण बताये हैं—
(1) निर्णय प्रक्रिया (Decision Making)
(2) कार्यक्रम बनाना (Programming)
(3) निर्णयों का आदान-प्रदान (Communicating)
(4) नियन्त्रण (Controlling)
(5) पुनर्मूल्यांकन (Reappraising)

न्यूमैन (Newman) ने इसे प्रशासनिक कौशल (Administrative Skill) कहा और इसके पाँच चरण बताये हैं —
(1) आयोजन (Planning), (2) संगठन (organizing)
(3) साधनों का एकत्रीकरण (Assembling resources)
(4) निर्देशन (Directing) (5) नियन्त्रण (Controlling).

ब्रेडफोर्ड (Bradford) और जॉनसन (Johnson) ने व्यवस्था की क्रिया के 5 चरण बताये हैं —
(1) विचारों को इकट्ठा करना और अवलोकन करना (getting of ideas and making observations)
(2) अवलोकन का विश्लेषण (analysis of observations)
(3) निर्णय प्रक्रिया (decision-making)
(4) क्रिया (action) और
(5) क्रिया के लिए उत्तरदायित्व स्वीकारना (acceptance of responsibility for action)

निकेल एवं डोरसी (Nickell & Dorsey) ने उसके तीन चरण बताए हैं और कहा है – "इसके अन्तर्गत उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु आयोजन किया जाता है फिर सम्पादन हेतु संगठन निर्मित किया जाता है फिर योजना को क्रियान्वित करने हेतु नियन्त्रण किया जाता है और अन्त में सभी परिवार द्वारा हुए कार्य अथवा के प्रभावों के परिणामों का मूल्यांकन किया जाता है।"

सन् 1930 में उन्होंने तीन स्पष्ट चरण निर्धारित किये जो कि एक-दूसरे से अन्तर्सम्बन्धित हैं और एक दूसरे को प्रभावित किया है। वे चरण हैं —

(1) योजना (Planning)

(2) योजना के क्रियान्वयन का नियन्त्रण, चाहे वह स्वयं बनाई गई हो या दूसरे के द्वारा (controlling the plan while carrying it through, whether it is executed by the planner or other), और

(3) परिणामों का मूल्यांकन जो कि भावी योजना के लिए आधार होगा (Evaluating results preparatory to future planning)।

इस प्रक्रिया को तार्किक (logically) दृष्टि से देखा जाये तो इसमें चरण समय क्रम के अन्तर्गत आते हैं — योजना भविष्यकाल (future tense) है जो क्रिया करने से पूर्व की जाती है। नियन्त्रण वर्तमान काल (Present tense) है जो कि क्रिया करते समय की जाती है और मूल्यांकन भूतकाल (Past tense) है जो कि क्रिया करने के पश्चात् की जाती है।

विभिन्न चरणों पर दिया जाने वाला बल भिन्न-भिन्न स्थितियों में भिन्न-भिन्न होता है। प्रक्रिया एक वृत्त (spiral) के समान होती है। किसी एक व्यवस्थापन क्रिया में तृतीय चरण प्रथम चरण प्रभावित करता है, इसी प्रकार प्रथम चरण द्वितीय पर और द्वितीय चरण तृतीय चरण पर अपना प्रभाव डालता है।

व्यवस्थापन के तीनों चरण स्पष्ट रूप से विभाजित नहीं रहते। इनके बीच में निश्चित सीमा रेखा खींचना कठिन है। घर में व्यवस्थापन के तीनों चरण

करना एक विषय बनता है।

उपरोक्त विभिन्न विद्वानों द्वारा मूल्यांकन के बारे में पक्षों का अध्ययन सरल है परन्तु अधिगम की कठिनाइयों एवं आवश्यकताओं की दृष्टि से हट शिक्षण को मूल्यांकन तीन पक्षों में विभाजित किया जाता है।

(1) आयोजना/नियोजना/योजना बनाना (Planning)
(2) नियंत्रण (Controlling)
(3) मूल्यांकन (Evaluation).